कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKE–142

बी. ए. (सामान्य) (बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एस.के.ई.-142 : रंगमंच और नाट्यकला

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* **चार** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 15 = 60$

1. चतुरस्र नाट्यमण्डप के परिमाप और निर्माण विधि का उल्लेख कीजिए।

2. नाट्यमण्डप के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

3. मत्तवारणो निर्माण विधि का वर्णन कीजिए।

4. आचार्य भरत के पश्चात् अन्य ग्रन्थों में उल्लिखित नाट्यमण्डप विधि का वर्णन कीजिए।

5. विभिन्न आचार्यों के अनुसार नाट्य की परिभाषा का वर्णन कीजिए।

6. रूपक के भेदक तत्वों में वस्तु का क्या स्थान है ? लक्षण और उदाहरण के साथ सभी भेदों का वर्णन कीजिए।

7. कार्यावस्थाओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।

8. रस को परिभाषित कीजिए तथा इसके भेदों का स्थायी-भावों के साथ उल्लेख कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 10 = 40$

1. विभिन्न मतों के अनुसार व्यभिचारीभावों क लक्षण लिखिए।

2. मानसिक स्तर के आस्वादन प्रकारों का विश्लेषण कीजिए।

3. नाट्य की उत्पत्ति तथा विकास में पौराणिक काल के मतों का उल्लेख कीजिए।

4. रंगनिर्देशक के रूप में भारतरत्न भार्गव का वर्णन कीजिए तथा कमलेश दत्त त्रिपाठी के योगदान का निरूपण कीजिए।

5. आधुनिक संस्कृत रंगमंच के रूप में युवतरंग तथा ज्ञान-प्रवाह वाराणसी का उल्लेख कीजिए।

6. प्रवेशक, चूलिका और अंकास्य पर नाट्यशास्त्रीय टिप्पणी लिखिए।

7. रूपक के किन्हीं ***पाँच*** भेदों का लक्षण और उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

8. ग्रीक परम्परा में नाट्यगृह के निर्माण पर प्रकाश डालिए।